अमर उजाला

लखनऊ | 12 जुलाई 2015

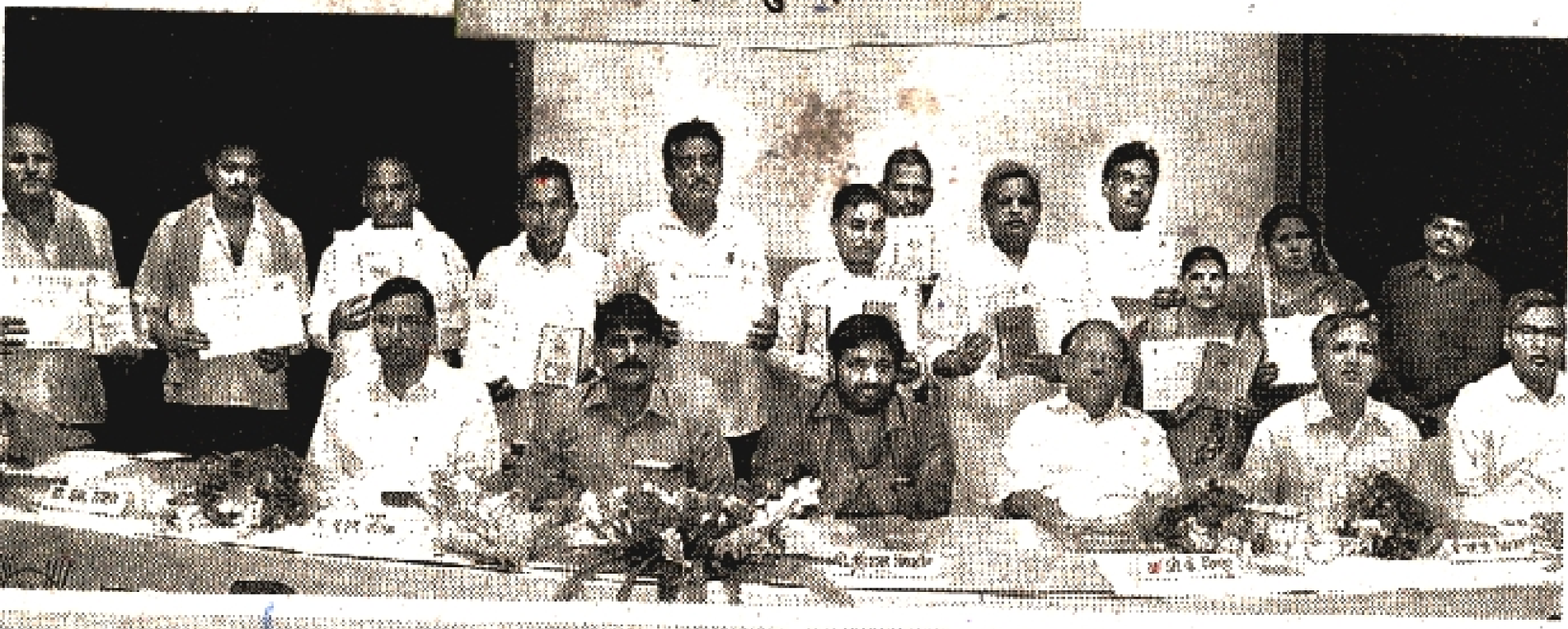

जैविक खाद को बढ़ावा देने के लिए करें प्रयास : कौशल

लखनऊ (ब्यूरो)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के प्रेक्षागृह में शनिवार को आयोजित कृषक सम्मेलन का उद्घाटन मोहनलालगंज के सांसद कौशल किशोर ने किया। इस मौके पर सांसद ने कहा, जैविक खाद को बढ़ावा देने के लिए हम सभी को मिलजुलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे देसी बीज और देसी खादों पर विशेष तौर पर काम करें।

संस्थान के निदेशक डॉ. ओके सिन्हा ने संस्थान के क्रियाकलापों से सभी को अवगत कराया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। दुग्ध उत्पादन के लिए बिटाना देवी, वर्मी कम्पोस्ट के लिए होसराम, महिला सशक्तीकरण के लिए संगीता शर्मा, औद्यानिक फसल प्रबंधन के लिए दधीचि प्रसाद प्रजापति, सब्जी उगाने के लिए मुन्नी लाल, फसल उपजाने के लिए अनिल वर्मा, मधुमक्खी पालन के लिए उमेश सिंह तोमर और आम की पैदावार के लिए बृजेश वर्मा व हेमराज को पुरस्कृत किया गया।

लखनऊ, 12 जुलाई 2015 दैनिक जागरण

देशी बीज व खादों पर शोध करें वैज्ञानिक

◆ भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में कृषक सम्मेलन

सम्मेलन में उपस्थित लोग

जागरण संवाददाता, लखनऊ : देशी कृषि व्यवस्था, फसलों तथा बीजों पर विदेशी मुल्कों की नजर है। इसलिए वैज्ञानिक देशी बीज बनाने व देशी खादों पर ज्यादा से ज्यादा शोध करें जिससे हमारी पारंपरिक तथा लाभकारी कृषि व्यवस्था बची रहे।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित कृषक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात सांसद कौशल किशोर ने कही। खेतों में जैविक खाद के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कृषकों से सम्मिलित प्रयास करने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने संस्थान द्वारा जैविक खादों के उत्पादन तथा किसानों के बीच वितरण के प्रयासों की प्रशंसा की। कौशल किशोर ने संस्थान द्वारा विकसित गन्ना उत्पादन तकनीकों तथा मशीनों का निरीक्षण भी किया।

इस मौके पर संस्थान के निदेशक डॉ.ओके सिन्हा ने संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय परियोजना निदेशक डॉ.यूएस गौतम, गन्ना विकास निदेशालय के निदेशक डॉ.एमसी दिवाकर, केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक डॉ.शैलेंद्र राजन तथा कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ.राजेश सिंह मौजूद थे।

सम्मानित किए गए किसान

इस अवसर पर बिटाना देवी, होस राम, संगीता शर्मा, दधीचि प्रसाद प्रजापति, मुन्नी लाल, अनिल कुमार वर्मा, काशीराम वर्मा, उमेश सिंह तोमर, बृजेश वर्मा, हेमराज, राजनाथ सिंह, कौशल किशोर को प्रशस्ती पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, रविवार, 12 जुलाई 2015

वैज्ञानिक देशी खाद के शोध पर दे विशेष ध्यान

सम्मेलन

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में कृषक सम्मेलन का हुआ शुभारम्भ, सम्मेलन में जुटे राजधानी के तीन सौ कृषक

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान(आइआइएसआर) के प्रेक्षागृह में पूर्व खरीफ कृषक सम्मेलन का उद्घाटन शनिवार को मोहनलालगंज के सांसद कौशल किशोर ने किया।

इस अवसर पर श्री किशोर ने खेतों में जैविक खाद के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए उपस्थित वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कृषकों से सम्मिलित प्रयास करने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा जैविक खादों के उत्पादन और किसानों के बीच वितरण के प्रयासों को सराहा।

इस मौके पर उन्होंने देशी कृषि व्यवस्था व यहाँ की देशी फसलों,बीजों पर विदेशी मुल्कों के साम्राज्यवादी बुरी नजर से आगाह करते हुए कहा कि वैज्ञानिक देशी बीज बनाने व देशी खादों पर शोध करें ,जिससे हमारी पारंपरिक व लाभदायक कृषि व्यवस्था बुरी नजर से बची रहे।

सांसद ने संस्थान द्वारा विकसित गन्ना उत्पादन तकनीकों व गन्ना मशीनों का निरीक्षण कर वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल की। उद्घाटन सत्र में संस्थान के निदेशक डा. ओके सिन्हा ने सांसद व अन्य विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया।

संस्थान के मीडिया प्रभारी डा. ए के साह ने कहा कि इस कृषक सम्मेलन में लखनऊ जनपद के लगभग 300 कृषकों ने भाग लिया।

उद्घाटन सत्र में सांसद न लखनऊ जनपद के विभिन्न तहसील,विकास क्षेत्रों के 10 कृषकों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। *वसं.*

डेली न्यूज़
लखनऊ, रविवार, 12 जुलाई 2015

देशी फसलों को विदेशी मुल्कों से बचाना होगा

जैविक खाद से फले–फूलेंगी देशी फसलें, किसानों को होगा मुनाफा

लखनऊ। खेतों में जैविक खाद के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए उपस्थित वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा किसानों को मिलकर काम करना होगा। देशी कृषि व्यवस्था तथा यहां की देशी फसलों तथा बीजों पर विदेशी मुल्कों के साम्राज्यवादी नजर से बचाना होगा। वैज्ञानिक देशी बीज बनाने व देशी खादों पर शोध करें जिससे हमारी पारंपरिक तथा लाभदायक कृषि व्यवस्था द्वारा बुरी नजर से बची रहे। यह बात रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के प्रेक्षागृह में पूर्व खरीफ कृषक सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान मोहनलालगंज से भाजपा सांसद कौशल किशोर ने कही।

उदघाटन सत्र में संस्थान के निदेशक डॉ. ओके सिन्हा ने सांसद तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के उद्देश्य तथा संस्थान के क्रियाकलापों से सबको परिचित कराया। सत्र में क्षेत्रीय परियोजना निदेशक डॉ. यूएस गौतम व गन्ना विकास निदेशालय के निदेशक डॉ. एमसी दिवाकर, केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक डॉ. शैलेंद्र राजन तथा कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राजेश सिंह मुख्य रूप से मौजूद थे। डॉ. एके शाह प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि इस कृषक सम्मेलन में जनपद के लगभग 300 किसान सम्मिलत हुए हैं, जिन्हें गन्ना उत्पादन तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी गई है। इसके अलावा बागवानी फसलों तथा अन्य फसलों पर वैज्ञानिक जानकारी दी गई। सूखा या अतिवृष्टि की स्थिति में फसलों को प्रकोप से बचाने के लिए आवश्यक आकस्मिक नियोजन तथा तैयारियों के प्रति कृषकों को जागरूक करने के लिए उनकों विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उदघाटन सत्र में सांसद कौशल किशोर ने कृषि के विभिन्न तहसील, विकास क्षेत्रों के 10 कृषकों बिटाना देवी, होस राम, संगीता शर्मा, दधिची प्रसाद प्रजापती, मुन्नी लाल, अनिल कुमार वर्मा, काशीराम वर्मा, उमेश सिंह तोमर, बृजेश वर्मा, हेमराज, राजनाथ सिंह, कौशल किशोर को प्रससती पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

आधुनिकतम, व्यवसायिक और प्रतिस्पर्धा वाली कोचिंग देने की पहल

लखनऊ। पैरामाउंट कोचिंग सेंटर के संस्थापक भूगोल के विख्यात शिक्षक एवं विश्व के जाने–माने पर्वतारोही राजीव सौमित्र ने कहा हम लखनऊ और उसके आसपास के छात्र–छात्राओं के सही आधुनिकतम, व्यवसायिक और प्रतिस्पर्धा वाली कोचिंग देने की पहल कर रहे हैं। जिसके लिए लखनऊ और आसपास के छात्र दिल्ली जाकर कोचिंग लेकर सरकारी नौकरी पाने में सफलता पाना चाहते हैं।